# शैलपुत्री माता जी

Hindu God Wallpaper.com

## प्रथम शैलपुत्री

चैत्र नवरात्र की प्रथम शक्ति मां शैलपुत्री हैं। सती जन्म में राजा दक्ष प्रजापति की पुत्री थीं। एक बार राजा दक्ष ने यज्ञ किया, लेकिन अपने दामाद शंकर जी को आमंत्रित नहीं किया। पिता के यज्ञ में बिना आमंत्रण के सती शामिल हुईं। वहां अपमान से कुपित होकर सती ने यज्ञाग्नि में अपना आत्मोत्सर्ग कर लिया। इसके बाद भगवान शंकर ने तांडव किया। भगवान का यह रूप काल-कालेश्वर का कहा गया। सती का ही दूसरा स्वरूप पार्वती या शैलपुत्री का है। पर्वतराज की पुत्री होने के कारण ही मां दुर्गा के प्रथम रूप का नाम शैलपुत्री पड़ा। कठोर तप के बाद भगवान शंकर से इनका विवाह हुआ। शैलपुत्री ही शिवांगी हैं। सौभाग्य, प्रकृति और आयु की देवी।

**इनकी आराधना का मंत्र है:**

या देवी सर्वभूतेषु प्रकृति रूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

www.HinduGodWallpaper.com

HINDUGODWALLPAPER.COM HINDUGODWALLPAPER.COM HINDUGODWALLPAPER.COM HINDUGODWALLPAPER.COM HINDUGODWALLPAPER.COM

# नवरात्र-पहला दिन

## मां शैलपुत्री

### मंत्र

वन्दे वाञ्छितलाभाय
चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारुढां शूलधरां
शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

# प्रथम् माता शैलपुत्री

वन्दे वांछित लाभाय चन्द्रार्द्धकृतशेखराम्।
वृषारूढ़ा शूलधरां यशस्विनीम्॥

अर्थात- देवी वृषभ पर विराजित हैं। शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल है और बाएं हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है। यही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं। नवरात्रि के पहले दिन शैलपुत्री का पूजन करना चाहिए।